श्री श्यामला सहस्रनाम स्तोत्रं

श्री श्यामला सहस्रनाम स्तोत्रं

सर्वशृंगारशोभाढ्यां तुंगपीनपयोधरां |
गंगाधरप्रियां देवीं मातंगीं नौमि संततं || 1 ||

श्रीमद्वैकुंठनिलयं श्रीपतिं सिद्धसेवितं |
कदाचित्स्वप्रियं लक्ष्मीर्नारायणमपृच्छत || 2 ||

लक्ष्मीरुवाच |
किं जप्यं परमं नृणां भोगमोक्षफलप्रदं |
सर्ववश्यकरं चैव सर्वैश्वर्यप्रदायकं || 3 ||

सर्वरक्षाकरं चैव सर्वत्र विजयप्रदं |
ब्रह्मज्ञानप्रदं पुंसां तन्मे ब्रूहि जनार्दन || 4 ||

भगवानुवाच |
नामसारस्तवं पुण्यं पठेन्नित्यं प्रयत्नतः |
तेन प्रीता श्यामलांबा त्वद्वशं कुरुते जगत् || 5 ||

तंत्रेषु ललितादीनां शक्तीनां नामकोशतः |
सारमुद्धृत्य रचितो नामसारस्तवो ह्ययं || 6 ||

नामसारस्तवं मह्यं दत्तवान् परमेश्वरः |
तव नामसहस्रं तत् श्यामलाया वदाम्यहं || 7 ||

अस्य श्रीश्यामलापरमेश्वरीनामसाहस्रस्तोत्रमाला मंत्रस्य, सदाशिव ऋषिः, अनुष्टुप्छंदः, श्रीराजराजेश्वरी श्यामला परमेश्वरी देवता, चतुर्विधपुरुषार्थसिद्ध्यर्थे नामपारायणे विनियोगः |

ध्यानं |
ध्यायेऽहं रत्नपीठे शुककलपठितं शृण्वतीं श्यामगात्रीं
न्यस्तैकांघ्रिं सरोजे शशिशकलधरां वल्लकीं वादयंतीं |
कल्हाराबद्धमौलिं नियमितलसच्चूलिकां रक्तवस्त्रां
मातंगीं भूषितांगीं मधुमदमुदितां चित्रकोद्भासिफालां ||

लमित्यादि पंचपूजां कुर्यात् |

अथ स्तोत्रं |
ॐ सौभाग्यलक्ष्मीः सौंदर्यनिधिः समरसप्रिया |
सर्वकल्याणनिलया सर्वेशी सर्वमंगळा || 1 ||

सर्ववश्यकरी सर्वा सर्वमंगळदायिनी |
सर्वविद्यादानदक्षा संगीतोपनिषत्प्रिया || 2 ||

सर्वभूतहृदावासा सर्वगीर्वाणपूजिता |
समृद्धा संगमुदिता सर्वलोकैकसंश्रया || 3 ||

सप्तकोटिमहामंत्रस्वरूपा सर्वसाक्षिणी |
सर्वांगसुंदरी सर्वगता सत्यस्वरूपिणी || 4 ||

समा समयसंवेद्या समयज्ञा सदाशिवा |
संगीतरसिका सर्वकलामयशुकप्रिया || 5 ||

चंदनालेपदिग्धांगी सच्चिदानंदरूपिणी |
कदंबवाटीनिलया कमलाकांतसेविता || 6 ||

कटाक्षोत्पन्नकंदर्पा कटाक्षितमहेश्वरा |
कल्याणी कमलासेव्या कल्याणाचलवासिनी || 7 ||

कांता कंदर्पजननी करुणारससागरा |
कलिदोषहरा काम्या कामदा कामवर्धिनी || 8 ||

कदंबकलिकोत्तंसा कदंबकुसुमप्रिया |
कदंबमूलरसिका कामाक्षी कमलानना || 9 ||

कंबुकंठी कलालापा कमलासनपूजिता |
कात्यायनी केलिपरा कमलाक्षसहोदरी || 10 ||

कमलाक्षी कलारूपा कोकाकारकुचद्वया |
कोकिला कोकिलारावा कुमारजननी शिवा || 11 ||

सर्वज्ञा संततोन्मत्ता सर्वैश्वर्यप्रदायिनी |
सुधाप्रिया सुराराध्या सुकेशी सुरसुंदरी || 12 ||

शोभना शुभदा शुद्धा शुद्धचित्तैकवासिनी |
वेदवेद्या वेदमयी विद्याधरगणार्चिता || 13 ||

वेदांतसारा विश्वेशी विश्वरूपा विरूपिणी |
विरूपाक्षप्रिया विद्या विंध्याचलनिवासिनी || 14 ||

वीणावादविनोदज्ञा वीणागानविशारदा |
वीणावती बिंदुरूपा ब्रह्माणी ब्रह्मरूपिणी || 15 ||

पार्वती परमाऽचिंत्या पराशक्तिः परात्परा |
परानंदा परेशानी परविद्या परापरा || 16 ||

भक्तप्रिया भक्तिगम्या भक्तानां परमा गतिः |
भव्या भवप्रिया भीरुर्भवसागरतारिणी || 17 ||

भयघ्नी भावुका भव्या भामिनी भक्तपालिनी |
भेदशून्या भेदहंत्री भावना मुनिभाविता || 18 ||

माया महेश्वरी मान्या मातंगी मलयालया |
महनीया मदोन्मत्ता मंत्रिणी मंत्रनायिका || 19 ||

महानंदा मनोगम्या मतंगकुलमंडना |
मनोज्ञा मानिनी माध्वी सिंधुमध्यकृतालया || 20 ||

मधुप्रीता नीलकचा माध्वीरसमदालसा |
पूर्णचंद्राभवदना पूर्णा पुण्यफलप्रदा || 21 ||

पुलोमजार्चिता पूज्या पुरुषार्थप्रदायिनी |
नारायणी नादरूपा नादब्रह्मस्वरूपिणी || 22 ||

नित्या नवनवाकारा नित्यानंदा निराकुला |
निटिलाक्षप्रिया नेत्री नीलेंदीवरलोचना || 23 ||

तमालकोमलाकारा तरुणी तनुमध्यमा |
तटित्पिशंगवसना तटित्कोटिसमद्युतिः || 24 ||

मधुरा मंगळा मेध्या मधुपानप्रिया सखी |
चित्कला चारुवदना सुखरूपा सुखप्रदा || 25 ||

कूटस्था कौलिनी कूर्मपीठस्था कुटिलालका |
शांता शांतिमती शांतिः श्यामला श्यामलाकृतिः || 26 ||

शंखिनी शंकरी शैवी शंखकुंडलमंडिता |
कुंददंता कोमलांगी कुमारी कुलयोगिनी || 27 ||

निगर्भयोगिनीसेव्या निरंतररतिप्रिया |
शिवदूती शिवकरी जटिला जगदाश्रया || 28 ||

शांभवी योगिनिलया परचैतन्यरूपिणी |
दहराकाशनिलया दंडिनीपरिपूजिता || 29 ||

संपत्करीगजारूढा सांद्रानंदा सुरेश्वरी |
चंपकोद्भासितकचा चंद्रशेखरवल्लभा || 30 ||

चारुरूपा चारुदती चंद्रिका शंभुमोहिनी |
विमला विदुषी वाणी कमला कमलासना || 31 ||

करुणापूर्णहृदया कामेशी कंबुकंधरा |
राजराजेश्वरी राजमातंगी राजवल्लभा || 32 ||

सचिवा सचिवेशानी सचिवत्वप्रदायिनी |
पंचबाणार्चिता बाला पंचमी परदेवता || 33 ||

उमा महेश्वरी गौरी संगीतज्ञा सरस्वती |
कविप्रिया काव्यकला कलौ सिद्धिप्रदायिनी || 34 ||

ललितामंत्रिणी रम्या ललिताराज्यपालिनी |
ललितासेवनपरा ललिताज्ञावशंवदा || 35 ||

ललिताकार्यचतुरा ललिताभक्तपालिनी |
ललितार्धासनारूढा लावण्यरसशेवधिः || 36 ||

रंजनी लालितशुका लसच्चूलीवरान्विता |
रागिणी रमणी रामा रती रतिसुखप्रदा || 37 ||

भोगदा भोग्यदा भूमिप्रदा भूषणशालिनी |
पुण्यलभ्या पुण्यकीर्तिः पुरंदरपुरेश्वरी || 38 ||

भूमानंदा भूतिकरी क्लींकारी क्लिन्नरूपिणी |
भानुमंडलमध्यस्था भामिनी भारती धृतिः || 39 ||

नारायणार्चिता नाथा नादिनी नादरूपिणी |
पंचकोणस्थिता लक्ष्मीः पुराणी पुररूपिणी || 40 ||

चक्रस्थिता चक्ररूपा चक्रिणी चक्रनायिका |
षट्चक्रमंडलांतःस्था ब्रह्मचक्रनिवासिनी || 41 ||

अंतरभ्यर्चनप्रीता बहिरर्चनलोलुपा |
पंचाशत्पीठमध्यस्था मातृकावर्णरूपिणी || 42 ||

महादेवी महाशक्तिः महामाया महामतिः |
महारूपा महादीप्तिः महालावण्यशालिनी || 43 ||

माहेंद्री मदिरादृप्ता मदिरासिंधुवासिनी |
मदिरामोदवदना मदिरापानमंथरा || 44 ||

दुरितघ्नी दुःखहंत्री दूती दूतरतिप्रिया |
वीरसेव्या विघ्नहरा योगिनी गणसेविता || 45 ||

निजवीणारवानंदनिमीलितविलोचना |
वज्रेश्वरी वश्यकरी सर्वचित्तविमोहिनी || 46 ||

शबरी शंबराराध्या शांबरी सामसंस्तुता |
त्रिपुरामंत्रजपिनी त्रिपुरार्चनतत्परा || 47 ||

त्रिलोकेशी त्रयीमाता त्रिमूर्तिस्त्रिदिवेश्वरी |
ऐंकारी सर्वजननी सौःकारी संविदीश्वरी || 48 ||

बोधा बोधकरी बोध्या बुधाराध्या पुरातनी |
भंडसोदरसंहर्त्री भंडसैन्यविनाशिनी || 49 ||

गेयचक्ररथारूढा गुरुमूर्तिः कुलांगना |
गांधर्वशास्त्रमर्मज्ञा गंधर्वगणपूजिता || 50 ||

जगन्माता जयकरी जननी जनदेवता |
शिवाराध्या शिवार्धांगी शिंजन्मंजीरमंडिता || 51 ||

सर्वात्मिका हृषीकेशी सर्वपापविनाशिनी |
सर्वरोगहरा साध्या धर्मिणी धर्मरूपिणी || 52 ||

आचारलभ्या स्वाचारा खेचरी योनिरूपिणी |
पतिव्रता पाशहंत्री परमार्थस्वरूपिणी || 53 ||

पंडिता परिवाराढ्या पाषंडमतभंजनी |
श्रीकरी श्रीमती देवी बिंदुनादस्वरूपिणी || 54 ||

अपर्णा हिमवत्पुत्री दुर्गा दुर्गतिहारिणी |
व्यालोलशंखताटंका विलसद्भंडपालिका || 55 ||

सुधामधुरसालापा सिंदूरतिलकोज्ज्वला |
अलक्तकारक्तपादा नंदनोद्यानवासिनी || 56 ||

वासंतकुसुमापीडा वसंतसमयप्रिया |
ध्याननिष्ठा ध्यानगम्या ध्येया ध्यानस्वरूपिणी || 57 ||

दारिद्र्यहंत्री दौर्भाग्यशमनी दानवांतका |
तीर्थरूपा त्रिनयना तुरीया दोषवर्जिता || 58 ||

मेधाप्रदायिनी मेध्या मेदिनी मदशालिनी |
मधुकैटभसंहर्त्री माधवी माधवप्रिया || 59 ||

महिला महिमासारा शर्वाणी शर्मदायिनी |
रुद्राणी रुचिरा रौद्री रुक्मभूषणभूषिता || 60 ||

अंबिका जगतां धात्री जटिनी धूर्जटिप्रिया |
सूक्ष्मस्वरूपिणी सौम्या सुरुचिः सुलभा शुभा || 61 ||

विपंचीकलनिक्वाणविमोहितजगत्त्रया |
भैरवप्रेमनिलया भैरवी भासुराकृतिः || 62 ||

पुष्पिणी पुण्यनिलया पुण्यश्रवणकीर्तना |
कुरुकुल्ला कुंडलिनी वागीशी नकुलेश्वरी || 63 ||

वामकेशी गिरिसुता वार्तालीपरिपूजिता |
वारुणीमदरक्ताक्षी वंदारुवरदायिनी || 64 ||

कटाक्षस्यंदिकरुणा कंदर्पमदवर्धिनी |
दूर्वाश्यामा दुष्टहंत्री दुष्टग्रहविभेदिनी || 65 ||

सर्वशत्रुक्षयकरी सर्वसंपत्प्रवर्धिनी |
कबरीशोभिकल्हारा कलशिंजितमेखला || 66 ||

मृणालीतुल्यदोर्वल्ली मृडानी मृत्युवर्जिता |
मृदुला मृत्युसंहर्त्री मंजुला मंजुभाषिणी || 67 ||

कर्पूरवीटीकबला कमनीयकपोलभूः |
कर्पूरक्षोददिग्धांगी कर्त्री कारणवर्जिता || 68 ||

अनादिनिधना धात्री धात्रीधरकुलोद्भवा |
स्तोत्रप्रिया स्तुतिमयी मोहिनी मोहहारिणी || 69 ||

जीवरूपा जीवकारी जीवन्मुक्तिप्रदायिनी |
भद्रपीठस्थिता भद्रा भद्रदा भर्गभामिनी || 70 ||

भगानंदा भगमयी भगलिंगा भगेश्वरी |
मत्तमातंगगमना मातंगकुलमंजरी || 71 ||

राजहंसगती राज्ञी राजराज समर्चिता |
भवानी पावनी काली दक्षिणा दक्षकन्यका || 72 ||

हव्यवाहा हविर्भोक्त्री हारिणी दुःखहारिणी |
संसारतारिणी सौम्या सर्वेशी समरप्रिया || 73 ||

स्वप्नवती जागरिणी सुषुप्ता विश्वरूपिणी |
तैजसी प्राज्ञकलना चेतना चेतनावती || 74 ||

चिन्मात्रा चिद्घना चेत्या चिच्छाया चित्स्वरूपिणी |
निवृत्तिरूपिणी शांतिः प्रतिष्ठा नित्यरूपिणी || 75 ||

विद्यारूपा शांत्यतीता कलापंचकरूपिणी |
ह्रींकारी ह्रीमती हृद्या ह्रीच्छाया हरिवाहना || 76 ||

मूलप्रकृतिरव्यक्ता व्यक्ताव्यक्तविनोदिनी |
यज्ञरूपा यज्ञभोक्त्री यज्ञांगी यज्ञरूपिणी || 77 ||

दीक्षिता क्षमणा क्षामा क्षितिः क्षांतिः श्रुतिः स्मृतिः |
एकाऽनेका कामकला कल्या कालस्वरूपिणी || 78 ||

दक्षा दाक्षायणी दीक्षा दक्षयज्ञविनाशिनी |
गायत्री गगनाकारा गीर्देवी गरुडासना || 79 ||

सावित्री सकलाध्यक्षा ब्रह्माणी ब्राह्मणप्रिया |
जगन्नाथा जगन्मूर्तिः जगन्मृत्युनिवारिणी || 80 ||

दृग्रूपा दृश्यनिलया द्रष्ट्री मंत्री चिरंतनी |
विज्ञात्री विपुला वेद्या वृद्धा वर्षीयसी मही || 81 ||

आर्या कुहरिणी गुह्या गौरी गौतमपूजिता |
नंदिनी नलिनी नित्या नीतिर्नयविशारदा || 82 ||

गतागतज्ञा गंधर्वी गिरिजा गर्वनाशिनी |
प्रियव्रता प्रमा प्राणा प्रमाणज्ञा प्रियंवदा || 83 ||

अशरीरा शरीरस्था नामरूपविवर्जिता |
वर्णाश्रमविभागज्ञा वर्णाश्रमविवर्जिता || 84 ||

नित्यमुक्ता नित्यतृप्ता निर्लेपा निरवग्रहा |
इच्छाज्ञानक्रियाशक्तिः इंदिरा बंधुराकृतिः || 85 ||

मनोरथप्रदा मुख्या मानिनी मानवर्जिता |
नीरागा निरहंकारा निर्नाशा निरुपप्लवा || 86 ||

विचित्रा चित्रचारित्रा निष्कला निगमालया |
ब्रह्मविद्या ब्रह्मनाडी बंधहंत्री बलिप्रिया || 87 ||

सुलक्षणा लक्षणज्ञा सुंदरभ्रूलतांचिता |
सुमित्रा मालिनी सीमा मुद्रिणी मुद्रिकांचिता || 88 ||

रजस्वला रम्यमूर्तिर्जया जन्मविवर्जिता |
पद्मालया पद्मपीठा पद्मिनी पद्मवर्णिनी || 89 ||

विश्वंभरा विश्वगर्भा विश्वेशी विश्वतोमुखी |
अद्वितीया सहस्राक्षी विराड्रूपा विमोचिनी || 90 ||

सूत्ररूपा शास्त्रकरी शास्त्रज्ञा शस्त्रधारिणी |
वेदविद्वेदकृद्वेद्या वित्तज्ञा वित्तशालिनी || 91 ||

विशदा वैष्णवी ब्राह्मी वैरिंची वाक्प्रदायिनी |
व्याख्यात्री वामना वृद्धिः विश्वनाथा विशारदा || 92 ||

मुद्रेश्वरी मुंडमाला काली कंकालरूपिणी |
महेश्वरप्रीतिकरी महेश्वर पतिव्रता || 93 ||

ब्रह्मांडमालिनी बुध्न्या मतंगमुनिपूजिता |
ईश्वरी चंडिका चंडी नियंत्री नियमस्थिता || 94 ||

सर्वांतर्यामिणी सेव्या संततिः संततिप्रदा |
तमालपल्लवश्यामा ताम्रोष्ठी तांडवप्रिया || 95 ||

नाट्यलास्यकरी रंभा नटराजप्रियांगना |
अनंगरूपाऽनंगश्रीरनंगेशी वसुंधरा || 99 ||

साम्राज्यदायिनी सिद्धा सिद्धेशी सिद्धिदायिनी |
सिद्धमाता सिद्धपूज्या सिद्धार्था वसुदायिनी || 97 ||

भक्तिमत्कल्पलतिका भक्तिदा भक्तवत्सला |
पंचशक्त्यर्चितपदा परमात्मस्वरूपिणी || 98 ||

अज्ञानतिमिरज्योत्स्ना नित्याह्लादा निरंजना |
मुग्धा मुग्धस्मिता मैत्री मुग्धकेशी मधुप्रिया || 99 ||

कलापिनी कामकला कामकेलिः कलावती |
अखंडा निरहंकारा प्रधानपुरुषेश्वरी || 100 ||

रहःपूज्या रहःकेली रहःस्तुत्या हरप्रिया |
शरण्या गहना गुह्या गुहांतःस्था गुहप्रसूः || 101 ||

स्वसंवेद्या स्वप्रकाशा स्वात्मस्था स्वर्गदायिनी |
निष्प्रपंचा निराधारा नित्यानित्यस्वरूपिणी || 102 ||

निर्मदा नर्तकी कीर्तिः निष्कामा निष्कला कला |
अष्टमूर्तिरमोघोमा नंद्यादिगणपूजिता || 103 ||

यंत्ररूपा तंत्ररूपा मंत्ररूपा मनोन्मनी |
शिवकामेश्वरी देवी चिद्रूपा चित्तरंगिणी || 104 ||

चित्स्वरूपा चित्प्रकाशा चिन्मूर्तिश्चिन्मयी चितिः |
मूर्खदूरा मोहहंत्री मुख्या क्रोडमुखीसखी || 105 ||

ज्ञानज्ञातृज्ञेयरूपा व्योमाकारा विलासिनी |
विमर्शरूपिणी वश्या विधानज्ञा विजृंभिता || 106 ||

केतकीकुसुमापीडा कस्तूरीतिलकोज्ज्वला |
मृग्या मृगाक्षी रसिका मृगनाभिसुगंधिनी || 107 ||

यक्षकर्दमलिप्तांगी यक्षिणी यक्षपूजिता |
लसन्माणिक्यकटका केयूरोज्ज्वलदोर्लता || 108 ||

सिंदूरराजत्सीमंता सुभ्रूवल्ली सुनासिका |
कैवल्यदा कांतिमती कठोरकुचमंडला || 109 ||

तलोदरी तमोहंत्री त्रयस्त्रिंशत्सुरात्मिका |
स्वयंभूः कुसुमामोदा स्वयंभुकुसुमप्रिया || 110 ||

स्वाध्यायिनी सुखाराध्या वीरश्रीर्वीरपूजिता |
द्राविणी विद्रुमाभोष्ठी वेगिनी विष्णुवल्लभा || 111 ||

हालामदालसद्वाणी लोला लीलावती रतिः |
लोपामुद्रार्चिता लक्ष्मीरहल्यापरिपूजिता || 112 ||

आब्रह्मकीटजननी कैलासगिरिवासिनी |
निधीश्वरी निरातंका निष्कलंका जगन्मयी || 113 ||

आदिलक्ष्मीरनंतश्रीरच्युता तत्त्वरूपिणी |
नामजात्यादिरहिता नरनारायणार्चिता || 114 ||

गुह्योपनिषदुद्गीता लक्ष्मीवाणीनिषेविता |
मतंगवरदा सिद्धा महायोगीश्वरी गुरुः || 115 ||

गुरुप्रिया कुलाराध्या कुलसंकेतपालिनी |
चिच्चंद्रमंडलांतःस्था चिदाकाशस्वरूपिणी || 116 ||

अनंगशास्त्रतत्त्वज्ञा नानाविधरसप्रिया |
निर्मला निरवद्यांगी नीतिज्ञा नीतिरूपिणी || 117 ||

व्यापिनी विबुधश्रेष्ठा कुलशैलकुमारिका |
विष्णुप्रसूर्वीरमाता नासामणिविराजिता || 118 ||

नायिका नगरीसंस्था नित्यतुष्टा नितंबिनी |
पंचब्रह्ममयी प्रांची ब्रह्मात्मैक्यस्वरूपिणी || 119 ||

सर्वोपनिषदुद्गीता सर्वानुग्रहकारिणी |
पवित्रा पावना पूता परमात्मस्वरूपिणी || 120 ||

सूर्येंदुवह्निनयना सूर्यमंडलमध्यगा |
गायत्री गात्ररहिता सुगुणा गुणवर्जिता || 121 ||

रक्षाकरी रम्यरुपा सात्त्विका सत्त्वदायिनी |
विश्वातीता व्योमरूपा सदार्चनजपप्रिया || 122 ||

आत्मभूरजिता जिष्णुरजा स्वाहा स्वधा सुधा |
नंदिताशेषभुवना नामसंकीर्तनप्रिया || 123 ||

गुरुमूर्तिर्गुरुमयी गुरुपादार्चनप्रिया |
गोब्राह्मणात्मिका गुर्वी नीलकंठी निरामया || 124 ||

मानवी मंत्रजननी महाभैरवपूजिता |
नित्योत्सवा नित्यपुष्टा श्यामा यौवनशालिनी || 125 ||

महनीया महामूर्तिर्महती सौख्यसंततिः |
पूर्णोदरी हविर्धात्री गणाराध्या गणेश्वरी || 126 ||

गायना गर्वरहिता स्वेदबिंदूल्लसन्मुखी |
तुंगस्तनी तुलाशून्या कन्या कमलवासिनी || 127 ||

शृंगारिणी श्रीः श्रीविद्या श्रीप्रदा श्रीनिवासिनी |
त्रैलोक्यसुंदरी बाला त्रैलोक्यजननी सुधीः || 128 ||

पंचक्लेशहरा पाशधारिणी पशुमोचनी |
पाषंडहंत्री पापघ्नी पार्थिवश्रीकरी धृतिः || 129 ||

निरपाया दुरापा या सुलभा शोभनाकृतिः |
महाबला भगवती भवरोगनिवारिणी || 130 ||

भैरवाष्टकसंसेव्या ब्राह्म्यादिपरिवारिता |
वामादिशक्तिसहिता वारुणीमदविह्वला || 131 ||

वरिष्ठा वश्यदा वश्या भक्तार्तिदमना शिवा |
वैराग्यजननी ज्ञानदायिनी ज्ञानविग्रहा || 132 ||

सर्वदोषविनिर्मुक्ता शंकरार्धशरीरिणी |
सर्वेश्वरप्रियतमा स्वयंज्योतिः स्वरूपिणी || 133 ||

क्षीरसागरमध्यस्था महाभुजगशायिनी |
कामधेनुर्बृहद्गर्भा योगनिद्रा युगंधरा || 134 ||

महेंद्रोपेंद्रजननी मातंगकुलसंभवा |
मतंगजातिसंपूज्या मतंगकुलदेवता || 135 ||

गुह्यविद्या वश्यविद्या सिद्धविद्या शिवांगना |
सुमंगळा रत्नगर्भा सूर्यमाता सुधाशना || 136 ||

खड्गमंडलसंपूज्या सालग्रामनिवासिनी |
दुर्जया दुष्टदमना दुर्निरीक्ष्या दुरत्यया || 137 ||

शंखचक्रगदाहस्ता विष्णुशक्तिर्विमोहिनी |
योगमाता योगगम्या योगनिष्ठा सुधास्रवा || 138 ||

समाधिनिष्ठैः संवेद्या सर्वभेदविवर्जिता |
साधारणा सरोजाक्षी सर्वज्ञा सर्वसाक्षिणी || 139 ||

महाशक्तिर्महोदारा महामंगळदेवता |
कलौ कृतावतरणा कलिकल्मषनाशिनी || 140 ||

सर्वदा सर्वजननी निरीशा सर्वतोमुखी |
सुगूढा सर्वतो भद्रा सुस्थिता स्थाणुवल्लभा || 141 ||

चराचरजगद्रूपा चेतनाचेतनाकृतिः |
महेश्वरप्राणनाडी महाभैरवमोहिनी || 142 ||

मंजुला यौवनोन्मत्ता महापातकनाशिनी |
महानुभावा माहेंद्री महामरकतप्रभा || 143 ||

सर्वशक्त्यासना शक्तिर्निराभासा निरिंद्रिया |
समस्तदेवतामूर्तिः समस्तसमयार्चिता || 144 ||

सुवर्चला वियन्मूर्तिः पुष्कला नित्यपुष्पिणी |
नीलोत्पलदळश्यामा महाप्रळयसाक्षिणी || 145 ||

संकल्पसिद्धा संगीतरसिका रसदायिनी |
अभिन्ना ब्रह्मजननी कालक्रमविवर्जिता || 146 ||

अजपा जाड्यरहिता प्रसन्ना भगवत्प्रिया |
इंदिरा जगतीकंदा सच्चिदानंदकंदली |
श्रीचक्रनिलया देवी श्रीविद्या श्रीप्रदायिनी || 147 ||

फलश्रुतिः |
इति ते कथितो लक्ष्मि नामसारस्तवो मया |
श्यामलाया महादेव्याः सर्ववश्यप्रदायकः || 148 ||

य इमं पठते नित्यं नामसारस्तवं परं |
तस्य नश्यंति पापानि महांत्यपि न संशयः || 149 ||

त्रिसंध्यं यः पठेन्नित्यं वर्षमेकमतंद्रितः |
सार्वभौमो महीपालस्तस्य वश्यो भवेद्ध्रुवं || 150 ||

मूलमंत्रजपांते यः पठेन्नामसहस्रकं |
मंत्रसिद्धिर्भवेत्तस्य शीघ्रमेव वरानने || 151 ||

जगत्त्रयं वशीकृत्य साक्षात्कामसमो भवेत् |
दिने दिने दशावृत्त्या मंडलं यो जपेन्नरः || 152 ||

सचिवः स भवेद्देवि सार्वभौमस्य भूपतेः |
षण्मासं यो जपेन्नित्यं एकवारं दृढव्रतः || 153 ||

भवंति तस्य धान्यानां धनानां च समृद्धयः |
चंदनं कुंकुमं वापि भस्म वा मृगनाभिकं || 154 ||

अनेनैव त्रिरावत्त्या नामसारेण मंत्रितं |
यो ललाटे धारयते तस्य वक्त्रावलोकनात् || 155 ||

हंतुमुद्यतखड्गोऽपि शत्रुर्वश्यो भवेद्ध्रुवं |
अनेन नामसारेण मंत्रितं प्राशयेज्जलं || 156 ||

मासमात्रं वरारोहे गांधर्वनिपुणो भवेत् |
संगीते कवितायां च नास्ति तत्सदृशो भुवि || 157 ||

ब्रह्मज्ञानमवाप्नोति मोक्षं चाप्यधिगच्छति |
प्रीयते श्यामला नित्यं प्रीताऽभीष्टं प्रयच्छति || 158 ||

इति सौभाग्यलक्ष्मीकल्पतांतर्गते लक्ष्मीनारायणसंवादे अष्टसप्तितमे खंडे श्री श्यामला सहस्रनाम स्तोत्रं |